



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 29, 2016/फाल्गुन 10, 1937

No. 133]

NEW DELHI, MONDAY FEBRUARY 29, 2016/ PHALGUNA 10, 1937

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 2016

**सा.का.नि. 203(अ).**—केंद्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित प्रारूप नियम, जिसे केंद्रीय सरकार मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 27, 41, 50, 109, 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, को उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित उनके द्वारा संभाव्य प्रभावित सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है और नोटिस दिया जाता है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जब इस अधिसूचना की प्रतियां, भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित, आम जनता को उपलब्ध कराई जाती है से तीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

कोई आक्षेप या सुझाव, जो किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के भीतर प्राप्त किए जाते हैं, पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, संयुक्त सचिव, परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, परिवहन भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर भेजी जा सकेगी।

**प्रारूप नियम**

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केंद्रीय मोटर यान (.....संशोधन) नियम, 2016 है।
- (2) ये राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. केंद्रीय मोटर यान नियम, 1989 में नियम 115घ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-  
“115.घ : यानों में संकर वैद्युत प्रणाली या वैद्युत किट का रिट्रोफिटमेंट –

(1) 3500 कि.ग्रा. से अनधिक सकल यान भार वाले यानों हैं संकर वैद्युत प्रणाली किट का रिट्रोफिटमेंट अनुज्ञात किया जाएगा यदि –

(क) रिट्रोफिटमेंट फिट में आशयित यान निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करता है, अर्थात् :-

- (i) यह भारत स्टेज - II या पश्चातवर्ती उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होंगे ;
- (ii) यह वर्ग एम 1 या वर्ग एम 2 या वर्ग एन 1 के होंगे, जिनमें सकल यान भार 3500 कि.ग्रा. से अनधिक होगा ;
- (iii) इनमें या तो गैसोलिन या डीजल इंजन का उपयोग किया जाएगा;
- (iv) इन्हें पूर्व में रिट्रोफिट नहीं किया गया था; और
- (v) इनमें किसी अन्य वैकल्पिक इंधन का उपयोग नहीं किया जाएगा;

(ख) रिट्रोफिट किए गए यानों में बहुउत्सर्जन मानक तत्स्थानी पेट्रोल या डीजल यानों में प्रचलित के समान ही होंगे जैसे कि उक्त यानों के विनिर्माण के वर्ष को लागू होते हैं

(ग) रिट्रोफिटमेंट के पश्चात् यान समय समय पर यथासंशोधित एआईएस-123 (भाग 1):2013 की अपेक्षाओं को उस समय तक पूरा करेंगे जिस समय तक तत्स्थानी भारत मानक ब्यूरो विनिर्देशों को भारत मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) अधीन अधिसूचित नहीं कर दिया जाता है;

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट अनुमोदन के प्रयोजन के लिए विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता नियम, 126 में विनिर्दिष्ट परीक्षण अभिकरण से अनुमोदित प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा और ऐसे प्रमाणपत्र की विधिमान्यता उसके जारी करने की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगी ;

(घ) अनुमोदित संकर वैद्युत प्रणाली किट की किस्म का प्रतिष्ठापन संकर वैद्युत प्रणाली किट के विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता द्वारा प्राधिकृत प्रतिष्ठापक द्वारा ही किया जाएगा और प्रतिष्ठापक, प्रतिष्ठापक के दायित्वों तथा समय समय पर यथासंशोधित एआईएस- 123 (भाग-1) : 2013 में दी गई आचार संहिता का तब तक पालन करेगा जब तक कि तत्स्थानी भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) विनिर्देश भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन अधिसूचित नहीं कर दी जाती है :

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट के साथ रिट्रोफिट किए गए यान का उत्तरदायित्व, शून्य किलोमीटर फिटमेंट की दशा में के सिवाय, ओईएम से विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता को अंतरित किया जाएगा ।

(2) 3500 कि.ग्रा. से अधिक सकल यान भार वाले यानों हैं संकर वैद्युत प्रणाली किट का रिट्रोफिटमेंट अनुज्ञात किया जाएगा यदि –

(क) रिट्रोफिटमेंट फिट में आशयित यान निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करता है, अर्थात् :-

- (i) यह भारत स्टेज - II या पश्चातवर्ती उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होंगे ;
- (ii) यह वर्ग एम 2 या वर्ग एम 3 या वर्ग एन 2 या वर्ग एन 3 के होंगे, जिनमें सकल यान भार 3500 कि.ग्रा. से अधिक होगा ;
- (iii) इन्हें पूर्व में रिट्रोफिट नहीं किया गया था;
- (iv) इसमें केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 में यथापरिभाषित खतरनाक या परिसंकटमय मार्ग ले जाने हेतु अनुज्ञेय पत्र की व्यवस्था नहीं है ;

(ख) रिट्रोफिटमेंट के पश्चात् यान समय समय पर यथासंशोधित एआईएस-123 (भाग 2):2015 की अपेक्षाओं को उस समय तक पूरा करेंगे जिस समय तक तत्स्थानी भारत मानक ब्यूरो विनिर्देशों को भारत मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) अधीन अधिसूचित नहीं कर दिया जाता है;

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट अनुमोदन के प्रयोजन के लिए विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता नियम, 126 में विनिर्दिष्ट परीक्षण अभिकरण से अनुमोदित प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा और ऐसे प्रमाणपत्र की विधिमान्यता उसके जारी करने की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगी ;

(ग) अनुमोदित संकर वैद्युत प्रणाली किट की किस्म का प्रतिष्ठापन संकर वैद्युत प्रणाली किट के विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता द्वारा प्राधिकृत प्रतिष्ठापक द्वारा ही किया जाएगा और प्रतिष्ठापक, प्रतिष्ठापक के दायित्वों तथा समय समय पर यथासंशोधित एआईएस- 123 (भाग-2) : 2015 में दी गई आचार संहिता का तब तक पालन करेगा जब तक कि तत्स्थानी भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) विनिर्देश भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन अधिसूचित नहीं कर दी जाती है :

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट के साथ रिट्रोफिट किए गए यान का उत्तरदायित्व, शून्य किलोमीटर फिटमेंट की दशा में के सिवाय, ओईएम से विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता को अंतरित किया जाएगा ।

(3) वर्ग एल, एम और एन के यानों का रिट्रोफिटमेंट या वैद्युत प्रचालन के लिए संपरिवर्तन अनुज्ञात किया जाएगा यदि -

(क) रिट्रोफिटमेंट के पश्चात् यान समय समय पर यथासंशोधित एआईएस-123 (भाग 3):2015 की अपेक्षाओं को उस समय तक पूरा करेंगे जिस समय तक तत्स्थानी भारत मानक ब्यूरो विनिर्देशों को भारत मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) अधीन अधिसूचित नहीं कर दिया जाता है;

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट अनुमोदन के प्रयोजन के लिए विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता नियम, 126 में विनिर्दिष्ट परीक्षण अभिकरण से अनुमोदित प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा और ऐसे प्रमाणपत्र की विधिमान्यता उसके जारी करने की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगी ;

(ख) अनुमोदित संकर वैद्युत प्रणाली किट की किस्म का प्रतिष्ठापन संकर वैद्युत प्रणाली किट के विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता द्वारा प्राधिकृत प्रतिष्ठापक द्वारा ही किया जाएगा और प्रतिष्ठापक, प्रतिष्ठापक के दायित्वों तथा समय समय पर यथासंशोधित एआईएस- 123 (भाग-3) : 2015 में दी गई आचार संहिता का तब तक पालन करेगा जब तक कि तत्स्थानी भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) विनिर्देश भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन अधिसूचित नहीं कर दी जाती है :

परंतु संकर वैद्युत प्रणाली किट के साथ रिट्रोफिट किए गए यान का उत्तरदायित्व, शून्य किलोमीटर फिटमेंट की दशा में के सिवाय, ओईएम से विनिर्माता या आपूर्तिकर्ता को अंतरित किया जाएगा ।”।

[सं. आरटी- 11036/14/2015-एमवीएल]

अभय दमले, संयुक्त सचिव

**टिप्पण:** मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 590 (अ), तारीख 2 जून, 1989 को प्रकाशित किए गए थे और अंतिम बार अधिसूचना सं. (अ), तारीख को संशोधित किए गए ।

**MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th February, 2016

**G.S.R. 203(E).**—The following draft rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sections 27, 41, 50, 109, 110 of Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) is hereby published as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after expiry of a period of thirty days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India are made available to the Public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules within the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

Objections or suggestions, if any, may be sent to the Joint Secretary (Transport), Ministry of Road Transport and Highways, Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi, within the period, specified above.

**DRAFT RULES**

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (---Amendment) Rules, 2016.  
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989, for rule 115D, the following rule shall be substituted, namely:-

**“115D: Retro-fitment of hybrid electric system or electric kit to vehicles.--**

(1) The Retro-fitment of hybrid electric system kit to vehicles having Gross Vehicle Weight not exceeding 3500 kg. shall be permitted if---

- (a) the vehicle intended for retro-fitment complies with following conditions, namely:-
  - (i) it conforms to Bharat Stage-II or subsequent emission norms;
  - (ii) it belongs to category M1 or category M2 or category N1 with Gross Vehicle Weight not exceeding 3500 kg.;
  - (iii) it is fuelled by either gasoline or diesel fuel;
  - (iv) it was not retrofitted earlier;
  - (v) it will not be fuelled by any other alternate fuel;
- (b) the mass emission standards for vehicles so retrofitted shall be the same as prevalent for corresponding petrol or diesel vehicles as applicable for the year of manufacture of the said vehicle;
- (c) the vehicle, after retro-fitment, shall meet the requirement of AIS-123 (Part 1): 2013 as amended from time to time till such time as corresponding Bureau of Indian Standard specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986):

Provided that for the purpose of hybrid electric system kit approval, kit manufacturer or supplier shall obtain the type approval certificate from a test agency specified in rule 126 and the validity of such certificate shall be three years from the date of its issue;
- (d) the installation of type approved hybrid electric system kit shall be done only by an installer authorised by the hybrid electric system kit manufacturer or supplier, and the installer shall adhere to the installer's responsibilities and the Code of Practice detailed in the AIS-123 (Part 1): 2013, as amended from time to time, till such time as corresponding Bureau of Indian Standards (BIS) specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986):

Provided that responsibility of vehicle retro-fitted with Hybrid Electric System Kit shall be transferred from OEM to kit manufacturer or supplier, except in case of zero kilometer fitment.

(2) The Retro-fitment of hybrid electric system kit to vehicles having Gross Vehicle Weight exceeding 3500 kg. shall be permitted if---

- (a) the vehicle intended for retro-fitment complies with following conditions, namely:-

- (i) it conforms to Bharat Stage-II or subsequent emission norms;
- (ii) it belongs to category M2 or category M3 or category N2 or category N3 with Gross Vehicle Weight exceeding 3500 kg.;
- (iii) it was not retrofitted earlier;
- (iv) it is not provided with permits for carrying dangerous or hazardous good, as defined in Central Motor Vehicle Rules, 1989;
- (b) the vehicle, after retro-fitment, shall meet the requirement of AIS-123 (Part 2): 2015, as amended from time to time, till such time as corresponding Bureau of Indian Standard specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986):  
 Provided that for the purpose of hybrid electric system kit approval, kit manufacturer or supplier shall obtain the type approval certificate from a test agency specified in rule 126 and the validity of such certificate shall be three years from the date of its issue;
- (c) the installation of type approved hybrid electric system kit shall be done only by an installer authorised by the hybrid electric system kit manufacturer or supplier, and the installer shall adhere to the installer's responsibilities and the Code of Practice detailed in the AIS-123 (Part 2): 2015, as amended from time to time, till such time as corresponding Bureau of Indian Standards (BIS) specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).

Provided that the responsibility of vehicle retro-fitted with Hybrid Electric System Kit shall be transferred from OEM to kit manufacturer / supplier, except in case of zero kilometer fitment.

(3) The conversion of vehicles of categories L, M and N for electric operation with retro-fitment of electric kit shall be permitted if-

- (a) the vehicle, after retro-fitment, shall meet the requirement of AIS-123 (Part 3): 2015, as amended from time to time, till such time as corresponding Bureau of Indian Standard specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986):  
 Provided that for the purpose of electric kit approval, kit manufacturer or supplier shall obtain the type approval certificate from a test agency specified in rule 126 and the validity of such certificate shall be three years from the date of its issue;
- (b) the installation of type approved electric kit shall be done only by an installer authorized by the electric kit manufacturer or supplier, and the installer shall adhere to the installer's responsibilities and the Code of Practice detailed in the AIS-123 (Part 3): 2015, as amended from time to time, till such time as corresponding Bureau of Indian Standards (BIS) specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986)

Provided that the responsibility of vehicle converted with Electric Propulsion Kit shall be transferred from OEM to kit manufacturer / supplier, except in case of zero kilometer fitment.”.

[No. RT-11036/14/2015-MVL]

ABHAY DAMLE, Jt. Secy.

**Note.-** The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i) *vide notification number* G.S.R. 590(E), dated the 2<sup>nd</sup> June, 1989 and last amended *vide notification number* G.S.R. \_\_\_\_ (E) dated \_\_\_\_.